जुआ खेल रहे सात लोगों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

▶ 36 हजार 750 रुपये नकदी, 52 ताश के पत्ते व 6 एण्ड्रोइड मोबाइल फोन जब्त

तराना। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक रंजन और अनुविभागीय अधिकारी अनुभाग तराना जिला उज्जैन भविष्य भास्कर के मार्गदर्शन में सतत् कार्रवाई की जा रही है। इसी तारतम्य में थाना तराना पर अवैध जुआ खेलने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है।

6 मई को पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि कुछ व्यक्ति ग्राम सिद्धीपुर निपानिया फंटे के पास निर्माणाधीन पानी की टंकी के पीछे खेत की मेड के पास पेड के नीचे हार जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम मुखबिर द्वारा बताये स्थान पर पर घेराबंदी कर दबिश दी गई। जिसमें पुलिस टीम ने मौके पर जुआ खेलते 7 आरोपियों को पकड़ा। पकड़ में आए आरोपियों से उनका नाम पता पूछने पर उन्होंने अपना नाम आफताब उर्फ गोलू पिता मोहम्मद युनुस मंसूरी उम्र 30 साल निवासी दरगाह के पास जूना सोमवारिया थाना जीवाजीगंज उज्जैन, अरशद मेव पिता हनीफ खान मेवाती उम्र 57 साल निवासी महुपुरा थाना कोतवाली शाजापुर, शाबिर पिता गफूर फकीर उम्र 36 साल निवासी ग्राम बैरागढ थाना सिविल लाईन देवास, इकबाल खां पिता सरदार खां उम्र 36 साल निवासी बस स्टैंड बिछड़ोद थाना घट्टिया, सलमान पिता अकबर पठान उम्र 34 साल निवासी अमरपुरा रोड बिछड़ौद थाना घट्टिया, अमरदीप सिंह पिता गुरुमीत सिंह पंजाबी उम्र 39 साल निवासी 56-ए आदर्श नगर थाना कोतवाली देवास, निजाम खान पिता गफूर खान मेवाती उम्र 47 साल निवासी 28-ए थाना कोतवाली देवास के होना बताये। मौके पर मिले उक्त व्यक्तियों के कब्जे से पुलिस टीम को कुल 36 हजार 750 रुपये नगदी एवं 52 ताश के पत्ते व कुल 6 एण्ड्रोइड मोबाइल मिले जिसे पुलिस टीम ने नियमानुसार विधिवत जब्त कर आरोपियों के विरुद्ध थाना तराना पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। इस सराहनीय कार्रवाई में थाना प्रभारी तराना निरीक्षक रामनारायणसिंह भदौरिया, उनि रवींद्र कटारे, उनि हरिराम अंगोरिया, सहायक उपनिरीक्षक ढाल सिंह चौहान, छोटेलाल चौहान, प्रधान आरक्षक मुकेश झाला, अमरदीप, अर्चित, कुलदीप, आनंद, शंकरसिंह, कृष्णवल्लभ शर्मा का विशेष योगदान रहा।

बद्रीनाथ केदारनाथ तीर्थयात्रा पर यात्री रवाना

घट्टिया। उत्तराखंड प्रदेश के चार धाम बद्रीनाथ भगवान मंदिर, केदारनाथ मंदिर, गंगोत्री व यमुनोत्री धाम तीर्थ दर्शन हेतु गुरुवार को तीर्थयात्री रवाना हुए। स्थानीय निवासी शंकरसिंह पंवार, महेंद्रसिंह पंवार, प्रताप सिंह पंवार, तेजसिंह पंवार अपने अपने परिवार सहित बस द्वारा 1 माह से अधिक तीर्थ दर्शन यात्रा पर गए। ग्रामीणों ने पुष्पमालाओं से स्वागत किया। यात्री पथवारी पूजन यात्रा को रवाना हुए।

एक नजर में

शिवा ध्यानम् फाउंडेशन ने किया तत्व रिट्रीट का आयोजन आज से

उज्जैन. भगवान महाकाल की पावन नगरी उज्जैन में शिवा ध्यानम् फाउंडेशन द्वारा तीन दिवसीय आध्यात्मिक कार्यक्रम तत्व रिट्रीट 2026 का आयोजन किया जा रहा है. यह कार्यक्रम 8, 9 और 10 मई को बाल मुकुंद आश्रम, झलारिया मठ, उज्जैन में आयोजित होगा. इस रिट्रीट का उद्देश्य साधकों को आत्मिक शांति, सकारात्मक ऊर्जा एवं आध्यात्मिक उन्नति प्रदान करना है. कार्यक्रम के अंतर्गत डीप मेडिटेशन, हीलिंग सेशन, शिव-शक्ति कनेक्शन, आत्म-खोज, मंत्र साधना, त्राटक, एवं शिव अभिषेक जैसे विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे. संस्था के अनुसार यह आयोजन साधकों को आत्मा से परमात्मा की ओर ले जाने का एक सशक्त माध्यम सिद्ध होगा. संस्था द्वारा सभी श्रद्धालुओं एवं आध्यात्मिक रुचि रखने वाले व्यक्तियों से कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह किया गया है. कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को आधुनिक जीवन की भागदौड़ से दूर ले जाकर उन्हें मानसिक शांति, ऊर्जा एवं आत्मिक संतुलन प्रदान करना है. माँ शिप्रा की पावन धारा और महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के दिव्य वातावरण में आयोजित यह रिट्रीट साधकों के लिए एक अद्वितीय आध्यात्मिक अनुभव सिद्ध होगा. आयोजन के संबंध में दीपिका नवीन सिंह (अध्यक्ष) और जयेश कुमार गुलाटी सचिव से संपर्क किया जा सकता है.

जिनशासन ने श्रेष्ठ संस्कारों की धरोहर सौंपी

इंदौर. जिनशासन ने देश और दुनिया को सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह, करुणा, दया, परोपकार और श्रेष्ठ संस्कारों की ऐसी धरोहर सौंपी है जो युगों-युगों तक बिना किसी पक्षपात और भेदभाव के जीव मात्र का उद्धार करने में सक्षम है. भगवान पार्श्वनाथ ने भी 23वें तीर्थंकर के रूप में समूचे समाज को सत्य, अहिंसा, अचौर्य और अपरिग्रह जैसे चार व्रत दिए हैं, जो हर युग में प्रासंगिक हैं. ये प्रेरक आशीर्वचन हैं पंयास प्रवर योगरुचि विजय के, जो उन्होंने बुधवार को द्वारकापुरी स्थित शीतलनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर के 25वें ध्वजारोहण महोत्सव में 108 भगवान पार्श्वनाथ के महापूजन और उनकी महत्ता बताते हुए व्यक्त किए. धर्मसभा में वर्धमान तपोनिधि प्रियदर्शन विजय एवं नंदीरुचि विजय म.सा. आदिठाणा की पावन निश्रा भी प्राप्त हुई. प्रारम्भ में मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय नाहर, उपाध्यक्ष सुशील कुकड़ा एवं सचिव चेतन भंडारी, अमृत मूणत, विनोद कोठारी, रीतेश सेखावत, सतीश जैन एवं दिनेश धींग आदि ने समाज बंधुओं की अगवानी की. इसके पूर्व ध्वजा महोत्सव के चतुर्थ सौपान पर नवकारसी सहित महोत्सव की विभिन्न क्रियाएँ भी विधिकारक के निर्देशन में सम्पन्न हुई. आयोजन में वीरमणि युवामित्र मंडल, शीतलनाथ महिला मंडल, सामायिक मंडल, श्रीसंघ एवं ध्वजा महोत्सव से जुड़े सैकड़ों बंधु भागीदार बने हुए हैं. महोत्सव में 7 मई को सुबह श्रीसिद्धाचल नवाण प्रभारी महापूजन की आराधना एवं रात्रि में 7 बजे से प्रभु मणिभद्रवीर की संगीतमय महाआरती एवं भजन संध्या होगी.

जैन बाल संस्कार शिविर का आयोजन

इंदौर. छावनी स्थित सन्मति स्कूल में यंग जैन स्टडी ग्रुप का 11 वां जैन बाल एवं युवा संस्कार शिक्षण शिविर का आयोजन शुरू हो गया है. शिविर का शुभारंभ श्री जी के जुलूस व ध्वजारोहण से धूम धाम से हुआ. शिविर में इस वर्ष पहले ही दिन करीब 2100 बच्चों व बड़ों ने भाग लिया. इस शिविर का संचालन माइक्रोसॉफ्ट अमेरिका में पूर्व डिजाइनर इंजीनियर प्रकाश छाबड़ा के मार्गदर्शन में किया जाता है. शिविर मे सामाजिक संसद के अध्यक्ष आनंद गोधा महामंत्री, हर्ष जैन अपनी टीम के साथ सभी विद्यार्थियो के मनोबल बढ़ाने के लिए वहां विराजमान तीर्थंकर मुनिसुव्रतनाथ भगवान का अभिषेक देख कर पुजा अर्चना की एवं सभी बच्चों को धर्म प्रति अच्छे कार्य करने का संदेश दिया. बच्चे अपने अपने क्षेत्र से रोज सुबह 6.30 बजे तक शिविर में पहुंच जाते हैं. जहां सबसे पहले वहां विराजमान श्रीजी के अभिषेक देखने को मिलते है, फिर सभी धुले हुए अष्टद्रव्यो से लय ताल के साथ पूजन करना सीखते हैं. शिविरार्थियों को जैन दर्शन के मूल सिद्धांत, णमोकार मंत्र, पांच पाप, छह द्रव्य, 7 तत्व, जीव अजीव, कर्म सिद्धांत, अनुयोग आदि जटिल विषयों को सरलता से समझाया जाता है. प्रचार प्रमुख प्रवीण जैन ने बताया कि शिक्षकों द्वारा प्रश्नों के उत्तर देने पर रोज इनाम भी मिलता है. इस शिविर की सबसे खास बात ये है कि ये शिविर पूर्णत: नि:शुल्क रहता है. शिविर के चौथे दिन पर समासेवी नवीन गोधा, कैलाश वेद, अजय मिंटा, प्रमोद पहाडिया, अखिलेश जैन, अंतिका-शिवानी गोधा नीलम बडजात्या चंदा बडजात्या जितेन्द्र पोरवाल संजय बडजात्या सतीश कासलीवाल के साथ सभी समाज जन शामिल हुए.

वीरमणि आदिनाथ जैन मंदिर का शिलान्यास महोत्सव

इंदौर. सिलिकॉन सिटी स्थित श्री वीरमणि आदिनाथ श्वेतांबर जैन मंदिर का शिलान्यास महोत्सव गुरुदेवों की दिव्य कृपा एवं पावन निश्रा में श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ. इस ऐतिहासिक अवसर ने सम्पूर्ण इंदौर जैन समाज को गौरवान्वित कर दिया. जानकारी देते हुए राजेश जैन युवा ने बताया कि यह मंदिर देवलोकवासी आचार्य वीररत्नसूरीश्वर महाराज साहेब को समर्पित होगा. सूरिमंत्र आराधक परम पूज्य आचार्यदेव श्रीमद् विजय पद्मभूषणरत्न सूरीश्वर महाराज एवं पंन्यास प्रवर ऋषभरत्न विजय महाराज साहेब की प्रभावशाली प्रेरणा तथा पंन्यास प्रवर योगरुचि विजय महाराज साहेब की पुण्य निश्रा ने पूरे आयोजन को आध्यात्मिक ऊंचाइयों तक पहुंचाया. वर्तमान अध्यक्ष सुनील श्रीमाल ने स्वागत उद्बोदन दिया. सचिव विमल मेहता तथा सहयोगी संजय व्होरा, ललित चौरड़िया एवं अंकित रांका के साथ मिलकर संगठन और सेवा का जो अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया।

जावरा रोड भूमि अधिग्रहण के मुआवजे की विसंगति, किसानों का ज्ञापन

उज्जैन। सिंहस्थ 2028 को लेकर जिले में विभिन्न विकास कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। इसी क्रम में उज्जैन-जावरा रोड निर्माण कार्य के तहत भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया भी जारी है। इस दौरान प्रभावित किसानों ने मुआवजे में भेदभाव और गाइडलाइन क्लस्टर में विसंगति का आरोप लगाते हुए कलेक्टर से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा।

सरपंच प्रतिनिधि ईश्वर आंजना ने बताया कि जावरा रोड क्षेत्र में किसानों की कृषि भूमि अधिग्रहित की जा रही है, लेकिन किसानों को उचित मुआवजा नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि आसपास के अन्य गांवों की तुलना में उनके गांव के किसानों को कम मुआवजा दिया जा रहा है, जबकि उनकी भूमि की गाइडलाइन अधिक है। किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि इस समस्या का जल्द निराकरण किया जाए। किसानों के अनुसार ग्राम बड़ोदिया काजी की गाइडलाइन क्लस्टर में दूर स्थित ग्राम नागपुरा और सारोला को शामिल किया गया है, जबकि नजदीकी ग्राम झिरनिया को इससे बाहर रखा गया है। किसानों का कहना है कि झिरनिया गांव बड़ोदिया काजी से मात्र 1 किलोमीटर दूर है, जबकि नागपुरा और सारोला लगभग 10 किलोमीटर दूर स्थित हैं। ग्राम नागपुरा की वर्तमान गाइडलाइन 19 लाख रुपए प्रति हेक्टेयर और सारोला की 23 लाख रुपए प्रति हेक्टेयर है, जबकि ग्राम झिरनिया की गाइडलाइन 27 लाख रुपए प्रति हेक्टेयर है। इसके बावजूद झिरनिया के किसानों को कम मुआवजा स्वीकृत किया गया है। किसानों ने इसे अन्यायपूर्ण बताते हुए झिरनिया गांव को बड़ोदिया काजी गाइडलाइन क्लस्टर में शामिल करने की मांग की है।

किसानों ने कहा कि यदि क्लस्टर में संशोधन नहीं किया गया और वास्तविक गाइडलाइन के अनुसार मुआवजा नहीं मिला, तो ग्रामीण अपनी निजी भूमि से सड़क निर्माण नहीं होने देंगे। किसानों ने प्रशासन से निष्पक्ष कार्रवाई कर उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है। कलेक्टर ने किसानों को आश्वासन दिया कि ज्ञापन में उठाए गए बिंदुओं की जांच कराई जाएगी तथा नियमानुसार उचित कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर जसवंतसिंह आंजना, मोहन सिंह गोपाल, गोड कमल पटेल, राकेश राजावत, बिरम सिंह, सुरेश गोड, रमेश गोड, अशोक झिझर, मुकेश सहित अन्य किसान उपस्थित थे।

खरीफ फसलों की बोनी के लिए जिले में पर्याप्त खाद उपलब्ध

उज्जैन। उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास से प्राप्त जानकारी अनुसार खरीफ फसलो की बोनी की तैयारी के लिए जिले में खाद का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। वर्तमान स्थिति में लगभग 13817 मे.टन यूरिया, 11431 मे.टन डीएपी, 9201 मे.टन एनपीके, 9403 मे.टन एसएसपी खाद उपलब्ध है।

विषम वैश्विक परिस्थितियों के उपरांत भी सरकार द्वारा जिले में उर्वरकों की आपूर्ति निर्बाध तथा तय कार्यक्रम अनुसार निरंतर की जा रही है। जिले में उक्त उपलब्ध खाद सोसायटीवार, मार्कफेड के डबल लॉक केंद्रवार, निजी दुकानवार ई-विकास पोर्टल पर उपलब्ध है। किसान भाइयों से अनुरोध है कि आप अपनी आवश्यकतानुसार खाद अपनी सोसायटी, मन पसंद दुकान से ई-विकास पोर्टल के माध्यम से बुकिंग कर खाद प्राप्त कर सकते है। ई-विकास प्रणाली में राजस्व पट्टाधारी, सिकमी किसान, शारीरिक रूप से अक्षम किसान, वृद्ध किसान, मृतक किसान के वारिसान को धार्मिक संस्थान, ट्रस्ट आदि की जमीन के लिए खाद उपलब्ध कराने के लिए भी सुविधा दी गयी है। किसानों को खरीफ की फसलों की बोनी के लिए फसलों की अनुशंसित खाद की मात्रा अनुसार यूरिया, एसएसपी, एनपीके, डीएपी, पोटाश खाद की पूर्ण मात्रा को एक बार में ही प्राप्त कर सकते हैं। यदि किसान चाहे तो पुन: पोर्टल पर प्रक्रिया का पालन कर अपनी मर्जी अनुसार खाद बुक कर अपनी सुविधानुसार प्राप्त कर सकते हैं। एक बार उर्वरक प्राप्त करने के बाद यदि किसान को अतिरिक्त खाद की आवश्यकता हो तो ई-विकास पोर्टल से अतिरिक्त खाद लेने का विकल्प भी है। किसान अपनी सुविधा अनुसार उर्वरक का उठाव कर सकते है।

पिकअप ने 2 छात्राओं को उड़ाया, एक की मौत

▶ स्कूटी से पितृ पर्वत से लौट रहीं थीं छात्राएं

टक्कर के बाद उछलकर 20 फीट दूर जाकर गिरीं दोनों

नव भारत न्यूज

इंदौर. एरोड्रम रोड पर एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने स्कूटी सवार दो छात्राओं को टक्कर मार दी. हादसे में 18 वर्षीय छात्रा प्रिया उर्फ प्रियांशी की मौत हो गई, जबकि उसकी सहेली गंभीर रूप से घायल हो गई. घटना रविवार शाम की बताई जा रही है, जिसका सीसीटीवी वीडियो बुधवार को सामने आया.

पुलिस के मुताबिक, जम्बूड़ी हप्सी में रहने वाली 18 वर्षीय प्रिया निजी स्कूल में 12वीं की छात्रा थी. वह अपनी सहेली के साथ स्कूटी नम्बर एमपी 09 डीपी 5172 से पितृ पर्वत घूमने गई थी. शाम करीब 6.30 बजे लौटते समय एरोड्रम रोड पर मेट्रो निर्माण के चलते बनाए गए डायवर्सन के पास तेज रफ्तार पिकअप एमपी 09 जीजे 2636 ने उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी. टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों उछलकर 15-20 फीट दूर जा गिरीं. इसमें प्रिया गंभीर रूप से घायल हो गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी सहेली को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया है. पुलिस ने पिकअप वाहन जब्त कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है, हादसे के कारणों की जांच के साथ चालक की तलाश भी की जा रही है.

जहां हादसा हुआ, वहां चल रहा मेट्रो निर्माण का काम

हादसे के बाद परिजन और स्थानीय लोगों में आक्रोश है. बताया जा रहा है कि जिस जगह हादसा हुआ, वहां मेट्रो निर्माण का काम चल रहा है. हीकागिरी के आगे डायवर्सन बनाया गया है. ऐसे में सड़क की स्थिति बदली हुई थी. हादसे के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की. पुलिस ने पिकअप वाहन को जब्त कर लिया है. हादसा तेज रफ्तार से हुआ या डायवर्सन और सड़क की स्थिति भी कारण रही.

पूर्व कर्मचारी ने ऑफिस में की थी 1.70 लाख की चोरी

नव भारत न्यूज

इंदौर. विजयनगर पुलिस ने एक ऑफिस में हुई 1.70 लाख रुपए की चोरी का चंद घंटों में खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. हैरानी की बात यह रही कि वारदात को अंजाम देने वाला उसी ऑफिस का पूर्व कर्मचारी निकला, जिसने नौकरी से निकाले जाने के बाद बदला लेने की नीयत से चोरी की. 5 मई 2026 को फरियादी दीपक काले निवासी पुष्प विहार एक्सटेंशन ने शिकायत दर्ज कराई थी कि एनआरके बिजनेस पार्क पीयू 4 स्थित उनके ऑफिस से दराज में रखे 1.70 लाख रुपए चोरी हो गए हैं. मामले में अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई थी. थाना प्रभारी चंद्रकांत पटेल के नेतृत्व में गठित टीम ने आसपास के 150 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की जांच की. फुटेज में हेलमेट और रूमाल से चेहरा ढके एक संदिग्ध युवक को ऑफिस आते जाते देखा. साइबर सेल और मुखबिर तंत्र की मदद से उसकी पहचान 28 वर्षीय संजय बड़ोदिया निवासी शांति नगर, मुसाखेड़ी के रूप में हुई. इस पर पुलिस ने संजय को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने चोरी करना कबूल कर लिया. आरोपी ने बताया कि वह पहले इसी ऑफिस में काम करता था, लेकिन कुछ दिन पहले उसे नौकरी से निकाल दिया था. इसी बात से नाराज होकर बदला लेने के लिए उसने ऑफिस की रेकी की और मौका पाकर दराज से नकदी चुरा ली. पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 1.50 लाख रुपए नकद बरामद कर लिए हैं. शेष 20 हजार रुपए आरोपी ने खर्च करना बताया, मामले में आगे की कार्रवाई जारी है.

मदद के बहाने युवती ने बुलाया साथियों संग यात्री को लूटा

▶ तीन इमली बस स्टैंड पर की वारदात

▶ 26 हजार नकद व मोबाइल छीना, 3 आरोपी गिरफ्तार

इंदौर. आजाद नगर थाना क्षेत्र के तीन इमली बस स्टैंड पर एक युवती द्वारा मदद के बहाने यात्री को सुनसान जगह पर बुलाकर अपने दो साथियों संग लूट करने का मामला सामने आया है. आरोपियों ने बदनाम करने की धमकी देकर नकदी और मोबाइल छीन लिया. पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है.

घटना रात करीब 11 बजे की है. फरियादी झहर सिंह पिता लखपत सिंह निवासी चोखीढाणी, खंडवा रोड बस का इंतजार कर रहे थे. इसी दौरान रोशनी नाम की युवती अपने बच्चे के साथ आई और मदद मांगने लगी. उसकी बातों में आकर फरियादी उसके साथ बस स्टैंड के पीछे स्थित शौचालय की ओर चला गया. जैसे ही वह वहां पहुंचा, पहले से मौजूद युवती के साथी सुनील और मोनू निवासी कस्तूरबा ग्राम ने उसे घेर लिया.

बदनाम करने की धमकी देकर की लूटपाट

आरोपियों ने शोर मचाने पर बदनाम करने की धमकी दी और डराकर उसकी जेब में रखे 26 हजार रुपए नकद और इंफीनिक्स कंपनी का मोबाइल छीन लिया. विरोध करने पर मारपीट कर उसे वहां से भगा दिया. वारदात के बाद तीनों आरोपी मौके से फरार हो गए थे. शिकायत के आधार पर आजाद नगर पुलिस ने रोशनी, सुनील और मोनू के खिलाफ लूट व धमकी की धाराओं में मामला दर्ज किया और जांच के बाद तीनों को गिरफ्तार कर लिया.

एक नजर अवंतिका में एक महीने तक गूंजेंगे श्रीहरि के जयकारे

17 मई से शुरू होगा पवित्र ज्येष्ठ अधिक मास

उज्जैन। हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र और पुण्यदायी माना जाने वाला अधिक मास इस वर्ष 17 मई से प्रारंभ हो रहा है। वर्ष 2026 में ज्येष्ठ माह के साथ अधिक मास का विशेष संयोग बन रहा है, जो 15 जून तक चलेगा। इस पूरे एक महीने तक धर्मधानी अवंतिका में धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों की धूम रहेगी। देशभर से आने वाले श्रद्धालु भगवान विष्णु की विशेष आराधना के साथ नौ नारायण, सप्त सागर और 84 महादेव की यात्रा कर पुण्य लाभ अर्जित करेंगे।

पंचांग को संतुलित करता है अधिक मास: अवंतिका के प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य, वास्तुविद एवं फलितार्चार्य डॉ. विशाल लक्ष्मीकांत शुक्ला के अनुसार, हिंदू पंचांग चंद्रमा की गति पर आधारित है, जबकि अंग्रेजी कैलेंडर सूर्य की गति के अनुसार चलता है। चंद्र वर्ष लगभग 354 से 355 दिनों का और सौर वर्ष 365 दिनों का होता है। हर वर्ष 10 से 11 दिनों का यह अंतर जब तीसरे वर्ष लगभग एक महीने के बराबर हो जाता है। तब पंचांग का संतुलन बनाए रखने के लिए एक अतिरिक्त महीना जोड़ा जाता है। इसे ही अधिक मास या मल मास कहा जाता है। 17 मई से 15 जून तक की यह अवधि साधना, भक्ति, दान और जप-तप के लिए सर्वोत्तम मानी गई है।

श्रीहरि के वरदान से मल मास बना पुरुषोत्तम मास: पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, अतिरिक्त महीना होने के कारण प्रारंभ में इसे मल मास कहा जाता था और शुभ कार्यों के लिए यह वर्जित था। कोई भी देवता इस मास का स्वामी बनने को तैयार नहीं था। तब यह मास भगवान विष्णु की शरण में पहुंचा। श्रीहरि ने करुणा दिखाते हुए इसे अपना नाम प्रदान किया और कहा कि अब से यह पुरुषोत्तम मास कहलाएगा। भगवान विष्णु ने वरदान दिया कि इस मास में जो भी भक्त श्रद्धा और भक्ति के साथ उनकी पूजा करेगा, उसे वर्ष भर की साधना से भी अधिक पुण्य फल प्राप्त होगा। अनेक जन्मों के पापों का क्षय होगा और जीवन में सुख-समृद्धि आएगी।

उज्जैन में होंगी ये प्रमुख यात्राएं और दर्शन

अधिक मास के दौरान देश-विदेश से आने वाले भक्त अवंतिका में कई प्राचीन यात्राएं संपन्न करेंगे। इस दौरान मुख्य रूप से इन स्थानों पर श्रद्धालुओं का तांता लगेगा

सप्त सागर यात्रा: श्रद्धालु रुद्र सागर, पुष्कर सागर, क्षीर सागर, गोवर्धन सागर, रत्नाकर सागर उंडासा, विष्णु सागर और 16 सागर अर्थात पुरुषोत्तम सागर की यात्रा करेंगे।

नौ नारायण यात्रा: शेष नारायण, पद्म नारायण, पुरुषोत्तम नारायण, आदि नारायण, सत्यनारायण, चतुर्भुज नारायण, लक्ष्मी नारायण, बद्री नारायण और अनंत नारायण के दर्शन होंगे।

84 महादेव यात्रा: पूरे माह 84 महादेव की यात्रा का सिलसिला जारी रहेगा। पुष्टिमार्गीय मंदिरों में विशेष दर्शन-शहर के प्रमुख पुष्टिमार्गीय मंदिरों में विशेष आयोजन होंगे। इनमें ढाबा रोड स्थित श्रीनाथ हवेली, सिंहपुरी की गोवर्धन नाथ हवेली, गोला मंडी की पुरुषोत्तम जी की हवेली, सराफा स्थित मदन मोहन की हवेली और सांदीपनि आश्रम में महाप्रभुजी की बैठक में श्रद्धालु दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित करेंगे।